MEDIA COVERAGE

city भास्कर | सिटी ACTIVITY | JABALPUR FRIDAY, 23/08/2019 . 04

टीएफआरआई में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन आज

जबलपुर| विभिन्न क्षेत्रों की वानिकी अनुसंधान की स्थिति का आकलन, भविष्य की दिशाओं/ सुझावों, नेटवर्किंग अनुसंधान विकल्पों, अवसरों एवं नई अनुसंधान परियोजना के लिए अग्रणी नई अवधारणाओं की खोज करने के उद्देश्य से उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन आज किया जा रहा है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और राजस्थान राज्यों में वानिकी और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाले वन अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, गैर सरकारी संगठनों और उद्योगपतियों सहित कई अन्य हितधारक, भविष्य वानिकी अनुसंधान पर चर्चा करने के लिए सम्मेलन में भाग लेंगे।पी-3

राज एक्सप्रेस | महानगर | शुक्रवार, 23 अगस्त, 2019 | www.rajexpress.co | 5 | जबलपुर

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन आज

जबलपुर। विभिन्न क्षेत्रों की वानिकी अनुसंधान की स्थिति का आंकलन, भविष्य की दिशाओं-सुझावों, नेटवर्किंग अनुसंधान विकल्पों, अवसरों एवं नई अनुसंधान परियोजना के लिए अग्रणी नई अवधारणाओं की खोज करने के उद्देश्य से उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन 23 अगस्त को किया जा रहा है। इसमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात और राजस्थान राज्यों में वानिकी और संबंधित क्षेत्रों में काम करने वाले वन अधिकारियों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, गैर सरकारी संगठनों और उद्योगपतियों सहित कई अन्य हितधारक, भविष्य वानिकी अनुसंधान पर चर्चा करने के लिए सम्मेलन में भाग लेंगे।

citybhaskar सिटी SPORTS / ACTIVITY JABALPUR SATURDAY, 24/08/2019 . 02

आवश्यकता आधारित अनुसंधान की हो शुरूआत, विशेषज्ञों ने दिए सुझाव

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन 2019

सिटी रिपोर्टर,जबलपुर| विभिन्न क्षेत्रों की वानिकी अनुसंधान की स्थिति का आकलन, भविष्य की दिशाओं, नेटवर्किंग अनुसंधान विकल्पों, अवसरों एवं नई अनुसंधान परियोजना के लिए अग्रणी नई अवधारणाओं की खोज करने के उद्देश्य से टीएफआरआई में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया गया। डॉ. जी राजेश्वर राव,निदेशक टीएफआरआई ने सम्मेलन के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सम्मेलन के परिणामों का उपयोग वानिकी अनुसंधान परियोजनाओं को तैयार करने के लिए किया जाएगा। डॉ. विमल कोठियाल, एडीजी आईसीएफआई देहरादून ने देश के मध्य और पश्चिमी क्षेत्र की अनुसंधान मांगों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान योजना के गठन के बारे में जानकारी दी। मुख्य अतिथि गिरिधर राव,निदेशक एसएफआरआई जबलपुर ने सम्मेलन द्वारा हितधारकों के सुझावों और बाढ़, सूखा एवं जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के बदलते परिदृश्य के अनुसार आवश्यकता आधारित अनुसंधान शुरू करने के लिए मंच प्रदान करने की बात कही।

जारी हुआ मोबाइल एप | सम्मेलन के दौरान व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण पेड़ों के बीज और नर्सरी तकनीकों पर मैनुअल, छत्तीसगढ़ में पाए जाने वाले औषधीय पौधों के द्विभाषी विवरण के साथ वर्चुअल हर्बेरियम और भारतीय कवक पर किताबें और टीएफआरआई. के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित उष्णकटिबंधीय वन कीटों पर आधारित मोबाइल ऐप भी जारी किया गया। एम.आर. बलूच, निदेशक शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर, प्रदीप वासुदेवा अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक जबलपुर मण्डल, एमएल मीणा एपीसीसीएफ सिल्विकल्चर जयपुर, सी. बेहरा जीसीआर टीएफआरआई और आरएम. त्रिपाठी, डीएफओ जबलपुर सर्कल भी सम्मेलन में उपस्थित थे।

04 नईदुनिया जबलपुर, शनिवार 24 अगस्त 2019 महानगर

क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन में बोले एसएफआरआई के निदेशक राव

बाढ़, सूखा, जलवायु परिवर्तन पर अनुसंधान के लिए मिलेगा सहयोग

जबलपुर। नईदुनिया न्यूज

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान (टीएफआरआई) में शुक्रवार को क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन-2019 आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गिरिधर राव निदेशक एसएफआरआई ने कहा कि बाढ़, सूखा और जलवायु परिवर्तन पर वानिकी अनुसंधान शुरू करने में संस्थान का सहयोग करेगा। सम्मेलन में विभिन्न वानिकी अनुसंधानों की स्थिति, भविष्य की दिशाओं, नेटवर्किंग व नई अनुसंधान परियोजनाओं के लिए नई अवधारणाओं की खोज की गई।

टीएफआरआई के अनुसंधान सम्मेलन में उपस्थित अतिथि और संस्थान के निदेशक।

कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. जी राजेश्वर राव एआरएस निदेशक टीएफआरआई ने अतिथियों का स्वागत करके सम्मेलन के उद्देश्यों की जानकारी दी। उन्होंने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद (आईसीएफआरई) द्वारा परियोजना को तैयार करना व उसकी समीक्षा की कठोर पद्धति की जानकारी देकर 5 राज्यों क्रमशः मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान के विभिन्न हितधारकों की मांगों, आवश्यकताओं को साझा करने सम्मेलन द्वारा मंच प्रदान करना बताया। सम्मेलन के परिणामों का उपयोग वानिकी अनुसंधान परियोजनाएं तैयार करने के लिए किया जाएगा, जो कि अनुसंधान सलाहकार समूह के समक्ष और अंत में अनुसंधान नीति समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे।

इस अवसर पर डॉ. विमल कोठियाल एडीजी (अनुसंधान एवं योजना) आईसीएफआरई देहरादून ने देश के मध्य और पश्चिमी क्षेत्र की अनुसंधान मांगें पूरी करने आईसीएफआरई द्वारा शुरू की गई राष्ट्रीय श्रंखला के 8वें आरआरसी सम्मेलन में उपस्थित विशिष्ट अतिथियों का स्वागत किया। आईसीएफआरई द्वारा राष्ट्रीय वानिकी अनुसंधान योजना गठन की जानकारी दी। विभिन्न हितधारकों की मांगों की पहचान, मज़्द, नेटवर्किंग और राष्ट्रीय-अंतर राष्ट्रीय आवश्यकताएं पूरा करने के सुझावों जैसे प्रत्याशित परिणामों की बात कही।

मोबाइल एप जारी किया: टीएफआरआई ने सम्मेलन में विकसित उष्णकटिबंधीय वन कीटों पर आधारित मोबाइल एप भी जारी किया। इस एप में व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण पेड़ों के बीज और नर्सरी तकनीकों पर मैनुअल, छत्तीसगढ़ में पाए जानेवाले औषधिय पौधों के द्विभाषी विवरण सहित वर्चुअल हर्बेरियम और भारतीय कवक पर किताबें उपलब्ध हैं।

ये रहे उपस्थित: कार्यक्रम में एमआर बलूच निदेशक शुष्क वन अनुसंधान संस्थान जोधपुर, प्रदीप वासुदेवा, अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कार्य योजना), एमएल मीणा एपीसीसीएफ सिल्विकल्चर जयपुर, सी बेहरा जीसीआर टीएफआरआई, आरएम त्रिपाठी डीएफओ जबलपुर और टीएफआरआई के वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

राज एक्सप्रेस | महानगर रविवार, 24 अगस्त, 2019 www.rajexpress.co 5 जबलपुर

क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन 2019 का हुआ आयोजन

टीएफआरआई में कार्यक्रम,नई अवधारणाओं पर होगा विमर्श

जबलपुर(आरएनएन)। विभिन्न क्षेत्रों की वानिकी अनुसंधान की स्थिति का आकलन, भविष्य की दिशाओं, नेटवर्किंग अनुसंधान विकल्पों, अवसरों एवं नई अनुसंधान परियोजना के लिए अग्रणी नई अवधारणाओं की खोज करने के उद्देश्य से उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान जबलपुर में क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में डॉ. राजेश्वर राव, एआरएस, निदेशक टीएफआरआई ने मेहमानों का स्वागत किया। और सम्मेलन के उद्देश्यों बारे में जानकारी दी। इस मौके पर उन्होने भारतीय वानिकी अनुसंधान और शिक्षा परिषद द्वारा अपनाई गई परियोजना को तैयार करना एवं उसकी समीक्षा की कठोर पद्धति के बारे में बताते हुए पांच राज्यों अर्थात छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र राजस्थान और मध्य प्रदेश क्षेत्र के विभिन्न हितधारकों की मांगों और आवश्यकताओं को साझा करने के लिए इस सम्मेलन द्वारा मंच प्रदान करने की बात कही। उन्होंने आगे विस्तार से बताया कि सम्मेलन के परिणामों का उपयोग वानिकी अनुसंधान परियोजनाओं को तैयार करने के लिए किया जाएगा। जो कि अनुसंधान सलाहकार समूह के समक्ष और अंत में अनुसंधान नीति समिति के समक्ष प्रस्तुत किए जाएंगे। उन्होने संस्थान की शोध परियोजनाओं का उपयोग विभिन्न हितधारकों से ग्रामीण आजीविका सुधार हेतु वानिकी अनुसंधान परियोजनाओं के निर्माण के लिए अपने मूल्यवान इनपुट प्रदान करने का अनुरोध भी किया।

TheHitavada
Jabalpur City Line | 2019-08-24 | Page- 3

Regional Research Conference organised at TFRI

■ Staff Reporter

REGIONAL Research Conference (RRC) with an objective to assess status of forestry knowledge, research need of the region, future directions, networking research options and opportunities and discover new concepts leading to new research projects was organised at Tropical Forest Research Institute (TFRI), Jabalpur, on Friday.

Dr G Rajeshwar Rao, ARS, Director TFRI, welcomed the guests and briefed about objectives of the conference. He outlined rigorous project formulation and scrutinisation methodology adopted by ICFRE and role of RRC to provide a platform for sharing demands and needs of various stakeholders of the region covering five states i.e. Chhattisgarh, Gujarat, Maharashtra, Rajasthan and Madhya Pradesh. He further elaborated that demands/outcomes of the conference will be used to formulate forestry research projects which will be presented before Research Advisory Group and finally to Research Policy Committee.

Dignitaries releasing a book during Regional Research Conference at TFRI, Jabalpur.

Elaborating the recent research projects of TFRI, he requested various stakeholders to provide their valuable inputs for formulation of demand driven forestry research projects which can be incorporated in value chains of rural poor for their livelihood improvement.

Dr Vimal Kothiyal, ADG (Research & Planning), ICFRE, Dehradun, welcomed the house to 8th RRC of national series initiated by ICFRE and conference to tap research demands of central and western region of the country. He briefed about recent collaborations of the council and formulation of National Forestry Research Plan by ICFRE. Giridhar Rao, IFS, Director SFRI, Jabalpur and chief guest of inaugural session said that the conference will provide platform to initiate need based applied research from feedbacks of stakeholders and according to changing scenario of disasters like floods, drought and climate change. Manual on seed and nursery techniques of commercially important trees, books on records of Indian Fungi and Virtual Herbarium with bilingual description of medicinal plants found in Chhattisgarh and android mobile based app on 'Insect pest of Tropical Forest' developed by scientists of TFRI were also released during the conference.

M R Baloch, Director, Arid Forest Research Institute, Jodhpur, Pradeep Vasudeva, APCCF (Working Plan), Jabalpur Circle and M L Meena, APCCF, Silviculture, Jaipur, Rajasthan, C Behera, GCR, TFRI, and R M Tripathi, DFO, Jabalpur Circle were also present at the conference alongwith scientists of TFRI.